

ପୌରିକ ପ୍ରମତ୍ତାନୀଟଙ୍କୁ ବୈଶ୍ଵାମ  
[ ସମ୍ମାନ ପାଇଁ ଉପରେ ପର୍ଯ୍ୟ ]

ପ୍ରକାଶନ ମେଲି  
ବସନ୍ତ ମେଲି  
କାଳିମହିଳା

फिल्म १४ / ३ / २०२१ द्वि शमाख्यानक

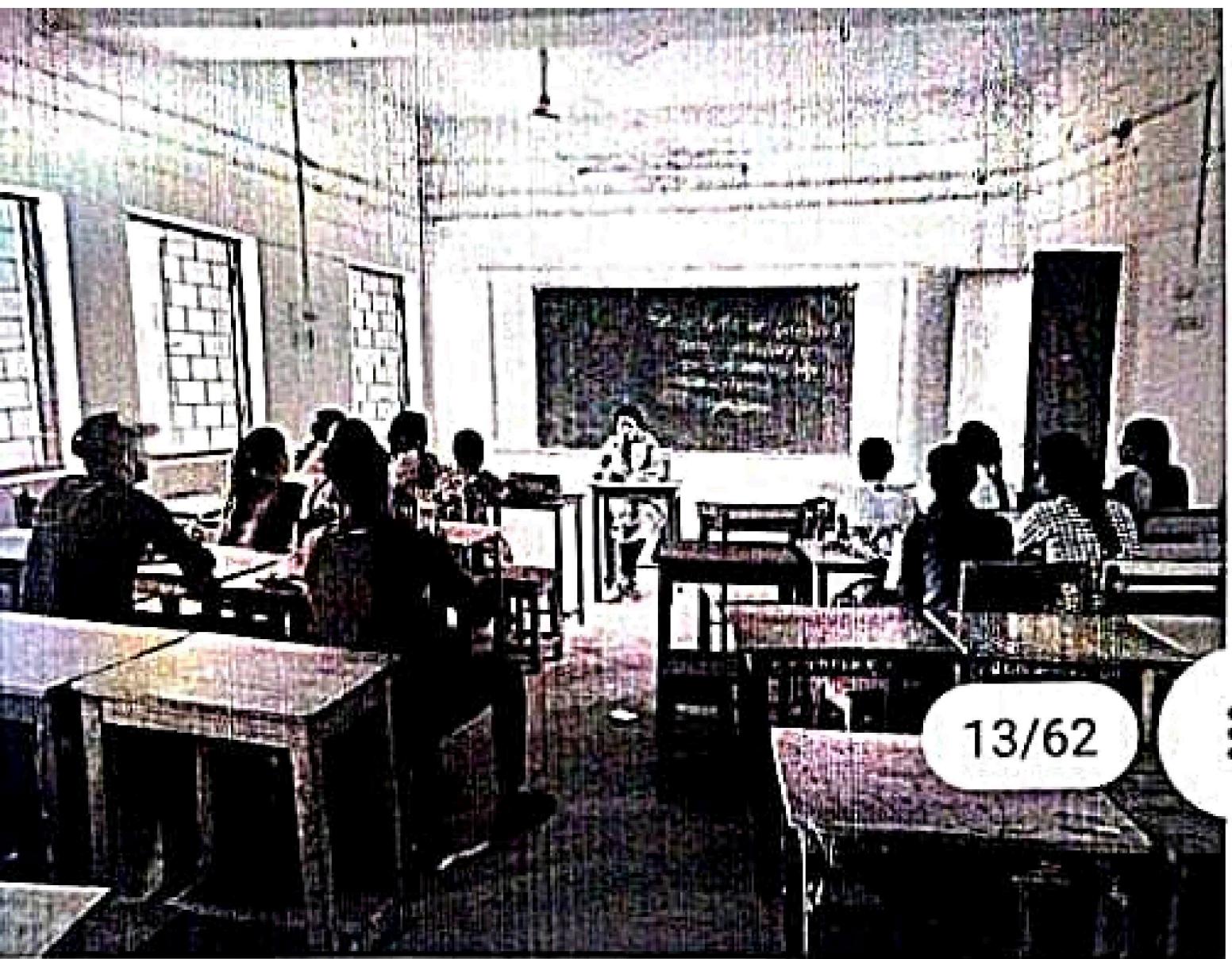
प्रियांग मे एस.ए. प्रधान वर्ष कड़ा उत्तुलीकृष्ण आठविं प्राप्ति  
देख गया। छुट / छापे) ने विभिन्न शमाक लीप्टो  
पर अनुलीकृष्ण दिया। अमरा :- २.८० से २.५०, ३.२० ते  
३.०० अलं छुट कर्बा। गला।

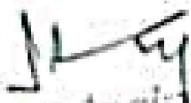
11	ब्रह्मील-सारू	वर्षित आतिथी	०५	०७	०९	१०
12	लालिनी-काशुर	०४	०५	०७	१०	११
13	सतपाली	प्रभिष्ठकारा	०६	०९	०१	११
14	श्रीदू-पेटेल	अर्द्धेश्वरमिश्र	०८	०९	०९	१२
15	नीछा	परिषार्क	०५	०९	०७	१५

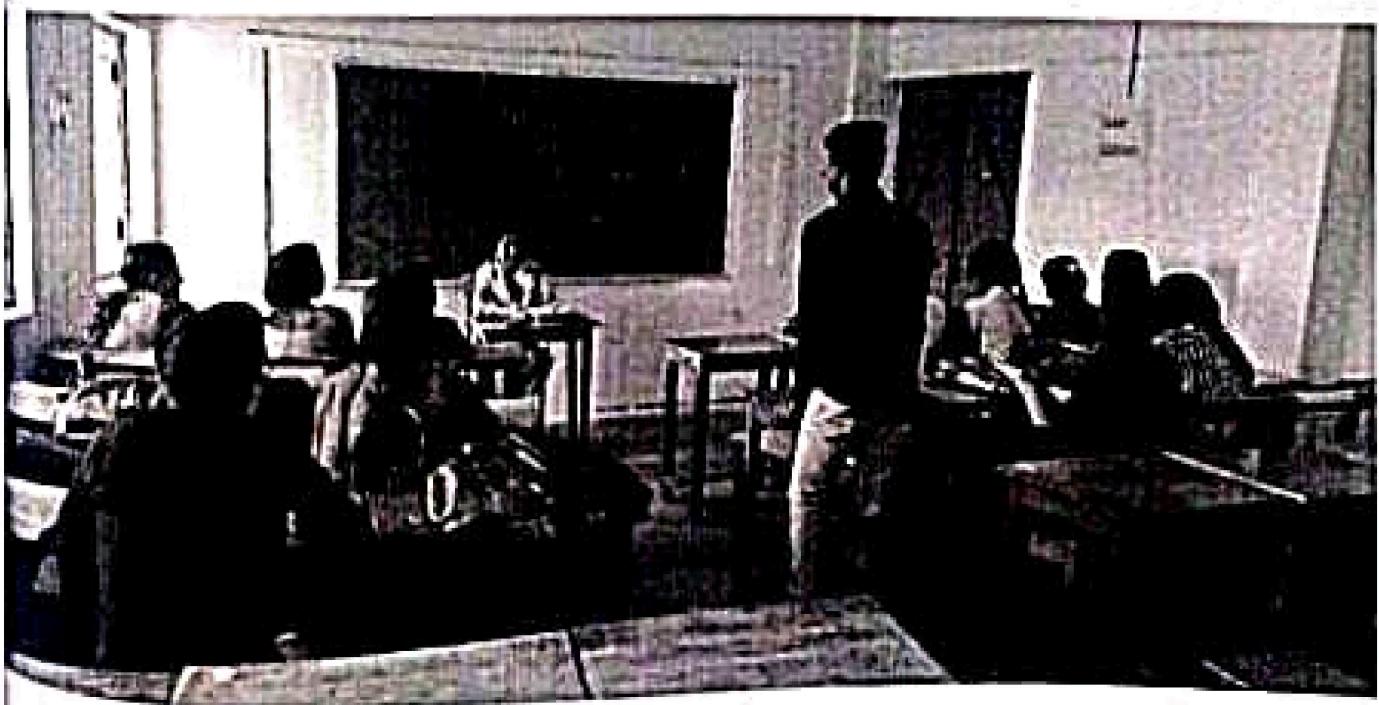
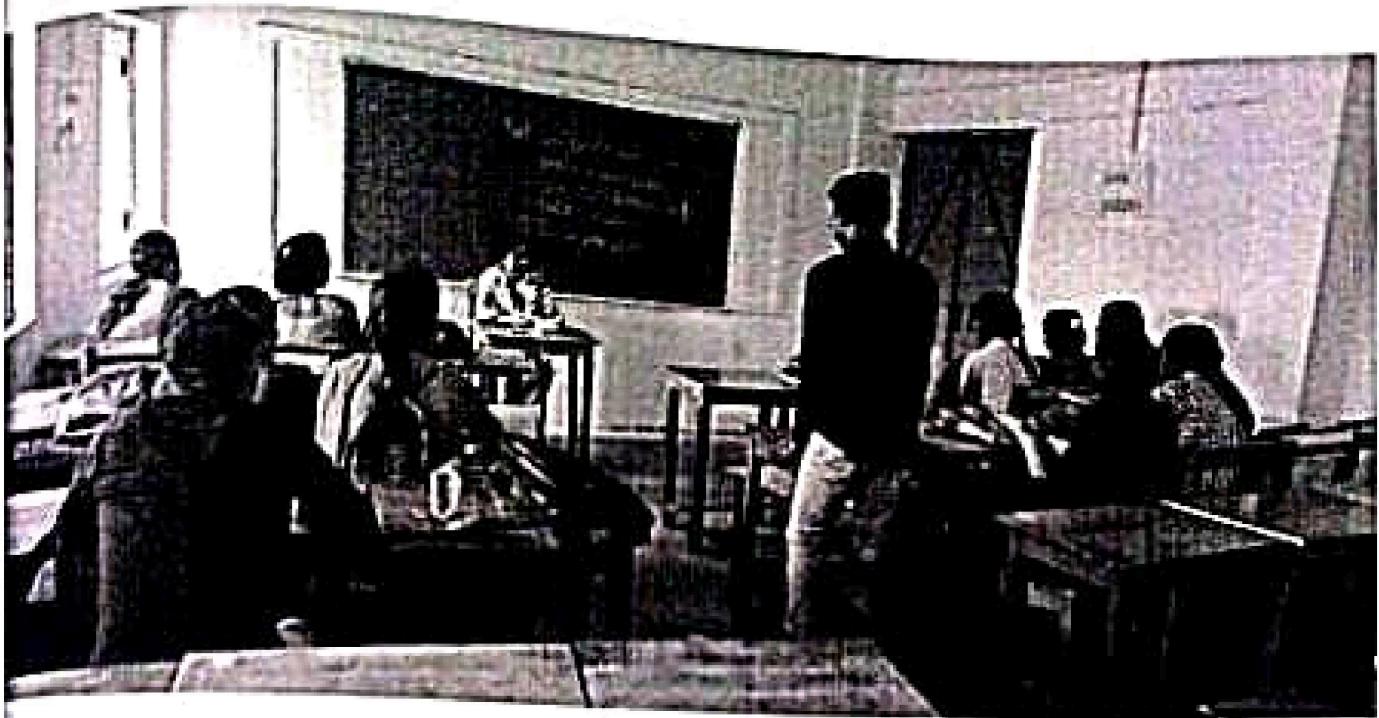
क्रमांक	नाम व लोकोत्तमी	लोकोत्तम	प्राप्ति विकल्प	प्राप्ति (१)	प्राप्ति (२)	प्राप्ति (३)	प्राप्ति (४)
०१	कु. लामेश्वरी	"आजगाहा"	६५	४५	२८	२७.००	
०२	दोहिनी खाट	" "	५५	५५	१०	१०	
०३	कुमुदी	"अद्याय"	५५	१०	१०	१०	१०.००
०४	गीतांबली	" "	०७	१०	१०	१०	१०.००
०५	बाकुल(गोर)	"अभिवि"	०८	१०	१०	१०	१०.००
०६	मुकुराजी रेणी	" "	०३	१८	१०	१०	
०७	उद्धीप लोकल	"लमाई कंडा"	०५	०५	१०	१०	२०
०८	विष्णु उमार	" "	०५	०५	०५	०५	२०
०९	पृथग खाट	" "	०५	१०	०५	०५	२०
१०	प्रेमुका खाट	" बी लाल्हा	०५	०५	१०	१०	२०

दृढ़ा उस्तुतीकरण में कु० लम्हियावरी, शोभिनीज  
ने भगवद्गीता का परिचय, प्रार्थना के बोरे में विनाशिपा  
कु० उस्तुति, अप० कु० गीतायावरी ने 'स्मुदाय' को आर्थि,  
परिचापा, विकोचिताओं को व्याख्या। बाहुल्य भारत  
गुरुशब्द निर्मि ने व्यामिति का जारी, अतएव विकोचिता  
का 'अपना' विनाश व्यक्त किये।  
उत्तरीपं अधिक, औमेन्द्र उमार, वेष्टव भाई वे संसारीज  
के वारे में वलाय। कु० बहुतों ने 'वृष्टिव्यवस्था' ॥  
उे वर्ति ने उपने विचार व्यक्त किये।  
लक्ष्मीपात्र राम, रामालिनी छात्र वे देखित गानिधी  
के घासे से उपने। रामारामो! उस्तुति कीये।  
कु० अनपालो ने गाति व्यवस्था को वलाय। अथे  
वारीन पौरी ने 'स्वीकृत परिवार' वलाय। कु० गीता  
ने 'ऐपरिवार' ॥ उे लोगों ने उपने विचार व्यक्त  
किये। वह उस्तुतीकरण में उपन्-साकुलको

**ठिठीय** - "कृ तुम्, शीतोष्णवी" १५  
**ठिठीग** - "कृ तमेवही" ६।



  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (P.G.)



*[Signature]*  
B.C.S. Govt. P.O. College  
Dhanbari, M. G.J.